लोक-सभा वाद-विवाद
का
संक्षिप्त अनूदित संस्करण

SUMMARISED TRANSLATED VERSION OF

6th
LOK SABHA DEBATES

Fifth Session

[पांचवा सत्र]

17.11.22

सत्यमेव जयते

[खंड 16 में अंक 1 से 10 तक हैं
Vol. XVI contains Nos. 1 to 10]

लोक-सभा सचिवालय
नई दिल्ली

LOK SABHA SECRETARIAT
NEW DELHI

: चार रुपये

Price : Four Rupees

विषय सूची/CONTENTS

श्रंक, 6 सोमवार, 24 जुलाई, 1978/2 श्रावन, 1900 (शक)
No. 6, Monday, July 24, 1978/Sravana 2, 1900 (Saka)

विषय	SUBJEBT	पृष्ठ/Pages
निधन संबंधी उल्लेख	OBITUARY REFERENCE	1—5

लोक सभा वाद विवाद (संक्षिप्त अनुदित संस्करण)
LOK SABHA DEBATES (SUMMARISED TRANSLATED VERSION)

लोक सभा
LOK SABHA

सोमवार 24 जुलाई, 1978 2 श्रावण, 1900 (शक)

Monday, July 24, 1978/Sravana 2, 1900 (Saka)

लोक सभा ग्यारह बजे समवेत हुई
The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

(अध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए)
[Mr. Speaker in the Chair]

निधन सम्बन्धी उल्लेख
OBITUARY REFERENCE

अध्यक्ष महोदय: मुझे बड़े दुखः से सभा को श्री परमानन्द गोविन्दजीवाला के दुःखद निधन के बारे में सूचित करना है जो मध्य प्रदेश के खंडवा निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित हुए थे ।

एक अग्रणी वकील श्री गोविन्दजीवाला ने हैदराबाद राज्य के विलय आन्दोलन में सक्रिय भाग लिया । उन्होंने 1960 में सार्वजनिक जीवन में प्रवेश किया जबकि वह बरहानपुर नगर पालिका के लिए निर्वाचित हुए थे । बाद में 1967—72 के दौरान वह मध्य प्रदेश विधान सभा के सदस्य रहे। उनकी पुरातत्व तथा इतिहास में अत्यधिक रुचि थी । वह कई पत्रिकाओं में अपने लेख देते थे ।

वह एक सक्रिय संसदविज्ञ थे । जैसा कि सभा को ज्ञात है कि 19 जुलाई, 1978 की रात को उनकी बस से टक्कर हुई और उन्हें डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती किया गया । सभी प्रयासों के बावजूद भी उनको नहीं बचाया जा सका ।

प्रधान मंत्री (श्री मोरारजी देसाई): आज हम इस दुखदायी अवसर पर यहाँ एकत्रित हुए हैं । श्री परमानन्द गोविन्दजीवाला जब 19 जुलाई की रात को स्कूटर चला रहे थे तो वह दुर्घनाग्रस्त हो गए। इसके परिणाम स्वरूप वह अंतिम समय तक बेहोश रहे और चिकित्सकों के समस्त प्रयास उनके जीवन को न बचा सके।

वह अपने जीवन के महत्वपूर्ण चरण में थे। उनकी आयु केवल 48 वर्ष की थी। उन्होंने 21 वर्ष की आयु में सार्वजनिक जीवन में पदापर्ण कर लिया था। उन्होंने 1947 में हैदराबाद विजय आन्दोलन में सक्रिय भाग लिया और 8 वर्षों तक वह बरहनपुर नगरपालिका के सक्रिय सदस्य रहे । 5 वर्षों तक वह मध्य प्रदेश विधान सभा के सदस्य रहे। वह इस सभा के एक सक्रिय सदस्य रहे और वह अपने जीवन के प्रिय अदर्शों के प्रति सदेव निष्ठ रहे।

श्री सी०एम० स्टीफन ने प्रधान मंत्री तथा अध्यक्ष द्वारा व्यक्त भावनाओं से सहमत होते हुए कहा। यह सभा भी एक अनोखा स्थल है क्योंकि जब हम यहां किसी मामले पर विचार करते हैं तो हमारी रायें भिन्न होती हैं एक दूसरे का कट्टर विरोध करते हैं किन्तु जब वाद-विवाद का उफान और परस्पर विरोधी रायों का टकराव समाप्त हो जाता है तो इस सभा के हम सब सदस्यों में एक ऐसी भावना उत्पन्न हो जाती है कि हम सब एक ही परिवार के सदस्य हैं। अतः यह स्वाभाविक ही है कि यदि इस परिवार का कोई भी सदस्य बिछुड़ जाये तो प्रत्येक के दिल में अपार दुख तथा गहरी व्यथा होती है।

श्री गोविन्दजीवाला ने अपना काफी जीवन सार्वजनिक सेवा में बिताया। उन्होंने केवल 16 या 17 वर्ष की अल्पायु में विलय आन्दोलन में भाग लिया और तत्पश्चात् जन-सेवा में लगे रहे। इससे पता चलता है कि उनका जीवन जन-सेवा के लिए ही बना था। उन्होंने जन-सेवा एक विधान मंडल में आरम्भ की और वह अपने दल के सचेतक थे। इससे उनकी विशिष्ठता का पता चलता है।

श्री यशवन्त राव चह्वाण: ने अपना गहरा खेद प्रकट करते हुए कहा: श्री परमानन्द गोविन्दजीवाला 48 वर्ष के थे और इसलिए वह अपने जीवन के महत्वपुर्ण चरणो में थे इसलिए अवश्य ही उन्होंने अपने भविष्य के बारे में ऊंची ऊंची आशाएं तथा आकांशाएं रखी होंगी, किन्तु शायद उनके भाग्य में यह सब कुछ नही लिखा था। जिस ढंग से उनकी मृत्यु हुई है, वह दुख की ओर अधिक बढ़ाने वाला है।

यधपि वह इस सभा के लिए पहली बार निर्वाचित हुए है, तथापि वह अपने समूचे जीवनकाल में एक सक्रीय सामाजिक कार्य कर्ता रहे है। वह केवल एक जन सेवक ही नही थे बल्कि उनका इतिहास तथा पुरातत्व में गहन रुचि थी। वह व्यवसाय से वकील थे और अपने निर्वाचन क्षेत्र में एक बहुत ही प्रसिद्ध व्यक्ति माने जाते थे। ऐसे व्यक्ति का निधन, जो संसद् का एक सक्रिय सदस्य रहा हो, देश की क्षति है।

श्री अरविन्द बाला पजनौर (पाँडिचेरी) ने अखिल भारत अणाद्रमुक दल की ओर से कहा: यह एक बहुत बड़ी क्षति है, जबकि इस सभा के एक सदस्य का दुखद परिस्थितियों में निधन हुआ है। यद्यपि हमारे ये शब्द शोक संतप्त परिवार को हुई क्षति की पूर्ति नहीं कर सकते, तथापि हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उनकी आत्मा को शान्ति मिले।

Shri Rameshwar Patidar (Khargone) **:** I express my deep sorrow at the death of Shri Parmanand Govindjiwala. He was elected from the constituency which is near to my constitutency and he was my personal friend. He had no enemy.

He was chief whip of Jan Sangh Party in Madhya Pracesh legislative Assembly and every body was influenced by his working style.

Shri Kacharulal Hemraj Jain (Balaghat) **:** Shri Govindjiwala was with me in Madhya Pradesh Vidhan Sabha also. After the incident I remained with him in the hospital To-day he is no longer among us but he has left a print of his working style. It is an irrepairable loss. He had learnt palmistry while in Jail and about 5 weeks ago he had told in the Central Hall that he would die in an accident. Today his words have assumed much importance.

श्री शशांक शेखर सान्याल: 78 वर्ष का यह वृद्ध प्रतिभापूर्ण और महत्वाकाँक्षी नवयुवक की मृत्यु पर हुए दुख को शब्दों में प्रकट करने में असमर्थ है। श्री गोविन्दजीवाला की अपनी परम्परा थी, उनके अपने दल की परम्परा थी और अपना जीवन दर्शन था। हमें आशा है कि उनकी प्रेरणा हमारे लिए मार्ग दर्शन का स्रोत सिद्ध होगी।

अध्यक्ष महोदय : दिवंगत आत्मा के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने के लिए सभा कुछ देर मौन खड़ी हो।

तत्पश्चात् माननीय सदस्य कुछ देर के लिए मौन खड़े हुए।

The hon. members then stood in silence for a short while.

अध्यक्ष महोदय: सभा स्थगित करने से पूर्व मैं बता दूं कि श्री गोविन्दजीवाला का पार्थिक शरीर प्रातः 11 बजे से 12.30 बजे तक 97 नार्थ स्वेन्यू में रखा जायेगा।

दिवंगत के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने हेतु अब सभा कल 11 बजे तक के लिए स्थगित होती है।

तत्पश्चात् लोक सभा मंगलवार, 25 जुलाई, 1978/3 श्रावण, 1900 (शक) के ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित हुई।

The Lok Sabha then adjourned till elven of the clock on Tuesday, 25th July, 1978/ Sravana 3, 1900 (Saka)

MGIPRRND —24 LSS/78 —VI (Day)— 30-10-210